कालेज में शिक्षक नहीं होने पर यूटीयू कुलपति का चढ़ा पारा

देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) से संबद्ध माया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में अध्यापन कार्य के लिए शिक्षक उपलब्ध नहीं होने पर यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह का पारा चढ़ गया। उन्होंने संस्थान के प्रभारी निदेशक को निर्देश दिए कि छात्र-छात्राओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अविलंब पर्याप्त शिक्षक नियुक्त किए जाए। जिससे छात्रों का पठन-पाठन से संबंधित कार्यों का सुचारू रूप से संचालन हो सके। अन्यथा संस्थान पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार को यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह व विवि के परीक्षा नियंत्रक डा.वीके पटेल ने संयुक्त रूप से विवि से संबद्ध दो निजी संस्थान माया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी व गुरुनानक फार्मेसी कालेज का औचक निरीक्षण किया। कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने बताया कि माया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी संस्थान में शिक्षक न होने ही शिकायतें उन्हें ई-मेल पर मिल रही थी। इन्हीं शिकायतों का संज्ञान लेकर उन्होंने इंस्टीट्यूट का औचक निरीक्षण किया। उसके बाद कुलपति ने झाझरा स्थित गुरुनानक कालेज आफ फार्मेसी का भी निरीक्षण किया। यहां कुछ कक्षाओं में छात्र की संख्या कम पाई गई। कुलपति ने कहा कि सभी संस्थान इस बात को ध्यान रखें कि जिन संस्थान में छात्र की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम रही तो उसे आगामी ओड सेमेस्टर परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा। सभी संस्थान को नियामक परिषद अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सभी नियमों का पालन करना होगा। (जासं)